
ब्राह्मण जीवन में 7 जन्म

➤➤ Birth Of Knowledge (ज्ञान का जन्म)

➤➤ _ ➤➤ सुनना और सुनाना

➤➤ _ ➤➤ पढ़ना और पढ़ाना

→ [The Best Way To Learn Is To Teach.....](#)

➤➤ _ ➤➤ मनन करना

➤➤ _ ➤➤ ज्ञान चर्चा

➤➤ _ ➤➤ ज्ञान की समझ

➤➤ _ ➤➤ ज्ञान का प्रयोग करना

→ [Spirituality Is A Science... Experiment It....](#)

■ उसने घृणा की और आपने घृणा की ... इसका Final Result देखो

■ उसने घृणा की और आपने घृणा नहीं की ... इसका Final

Result देखो

■ उसने बहुत कुछ बोला और आपने बहुत कुछ बोला ... इसका

Final Result देखो

■ उसने बहुत कुछ बोला और आपने कुछ भी नहीं बोला ... इसका

Final Result देखो

➤➤ _ ➤➤ ज्ञान का स्वरूप बनना

→ [सूचनाओं का अनुभव में परिवर्तित हो जाना ही ज्ञान का](#)

[स्वरूप बनना है](#)

■ सिर्फ शब्द मात्र से ही खुश नहीं होना है... उसका अनुभव करना

है...

➤➤ योग का जन्म

➤➤ _ ➤➤ जिस दिन अनुभव करोगे ... उस दिन योगियों के जीवन में योग का

जन्म होता है

→ सिर्फ शब्दों को ही रटना नहीं है... उसका अनुभव करना है...

➤➤ _ ➤➤ भिन्न भिन्न अनुभव होते हैं

→ अशरीरीपन का अनुभव

→ विदेही अवस्था का अनुभव

→ आत्म अभिमानी स्थिति का अनुभव

→ फ़रिश्ता स्वरूप का अनुभव

→ बीज रूप अवस्था का अनुभव

➤➤ _ ➤➤ योग के भिन्न भिन्न प्रयोग सफल होने लगते हैं

➤➤ पुरुषार्थ का जन्म

➤➤ _ ➤➤ पुरुषार्थ में अचानक तीव्रता आना

→ सभी बातों के प्रति जागरण का भाव जागृत हो जाना

- अमृतवेला

- ▶ इसका चस्का लग जाना चाहिए

- मुरली

- भोजन

- ट्रैफिक कण्ट्रोल

- कर्मयोग

- ▶ जिसकी सेवा कर रहे हो... क्या उसी को तो नहीं भूल गए

हो ?

- नुमाशाम का योग

- रात्री चार्ट

➤➤ धारणाओं का जन्म

➤➤ _ ➤➤ धारणाओं में तीव्रता और दृढ़ता

➤➤ _ ➤➤ जो हुआ... वह अच्छा हुआ... जो हो रहा है, वह और अच्छा ... जो होगा , वह और भी अच्छा होगा...

➤➤ परिपक्वता (Maturity) का जन्म

➤➤ _ ➤➤ Managing Emergencies

➤➤ _ ➤➤ Acceptance & Adjustment

➤➤ _ ➤➤ Tolerance

→ ये भगवान का आदेश है की “सहन करो”

➤➤ _ ➤➤ Using Powers

➤➤ _ ➤➤ Response

➤➤ _ ➤➤ Introvert

➤➤ _ ➤➤ Talking

➤➤ _ ➤➤ Yogi Life

➤➤ सेवा का जन्म

➤➤ _ ➤➤ मनसा वाचा कर्मणा

➤➤ अनुभव का जन्म

➤➤ _ ➤➤ परमात्म प्रेम का अनुभव

→ “मेरा बाबा मेरा बाबा” - यह नारे लगाने से कुछ नहीं होगा

➤➤ _ ➤➤ परमात्म मदद का अनुभव

➤➤ _ ➤➤ परमात्म साथ का अनुभव

→ तुम तो यही कही बाबा... मेरे आस पास हो... आते नज़र नहीं... पर साथ साथ हो

➤➤ _ ➤➤ परमात्म छत्रछाया का अनुभव

→ Security

➤➤ _ ➤➤ ज्ञान का अनुभव

➤➤ _ ➤➤ योग का अनुभव

➤➤ _ ➤➤ पवित्रता का अनुभव

→ जब ऐसा अनुभव हो की यह कार्य इसलिए सफल हुआ क्योंकि हमारे साथ पवित्रता का बल था

→ जब एस आनुभव हो की इस कार्य में साथ साथ हमारे पवित्रता के प्रकम्पन्न जा रहे हैं

